वार्ड नंबर 77 के विकास कार्यों के लोकार्पण पर माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

केशवपुरा, कोटा के वार्ड नंबर 77 के सभी जनों को मेरा नमस्कार।

विकास के साथ हमारी विरासत भी संरक्षित रहे। क्षेत्र की प्रगति हो, लेकिन साथ में प्रकृति भी समृद्ध रहे। हमें इस सोच के साथ आगे बढ़ना होगा।

कोटा का विकास यहाँ के लोगों के विचार पर निर्भर करता है। यहाँ इतना विकास हुआ है, इसके पीछे यहाँ के लोग हैं, जिनकी सोच विकास के लिए समर्पित है।

कोटा के लोग परिश्रमी है, और आज इसी कारण प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में कोटा महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोटा को इसकी कला - कारीगरी और कौशल के लिए जाना जाता है।

कोटा देशभर में शिक्षा नगरी के नाम से जाना जाता है। मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं देशभर से यहाँ आते हैं।

शिक्षा से लेकर चाहे व्यापार हो, खेती-किसानी हो या कोई और सेक्टर हो; कोटा आज विभिन्न क्षेत्रों में लगातार प्रगति कर रहा है। आज कोटा का नाम देशभर में जाना जाता है। स्मार्टसिटी मिशन के अंतर्गत केंद्र सरकार ने राजस्थान के जिन 4 शहरों का सलेक्शन किया था, कोटा उनमें प्रमुख है। पिछले कुछ वर्षों में कोटा में मूलभूत सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। यहाँ कई नए सड़कों और राजमार्गों का निर्माण किया जा रहा है। हमारे कोटा के रेलवे स्टेशन उन्नत हुए हैं, कोटा को नई ट्रेनों की सौगात मिली है।

आने वाले समय में इंडस्ट्रीयल कॉरीडोर के बन जाने से कोटा में उद्योग-धंधे और अधिक फलने-फूलने लगेंगे। यहाँ के नौजवान को काम मिलेगा। पर्यटन बढ़ेगा, क्षेत्र का विकास होगा जिससे मजदूर और किसानों के जीवन में समृद्धि भी बढ़ेगी। कोटा में एयरपोर्ट मेरा सपना है, जिसके लिए मैं लगातार कोशिश कर रहा हूँ, और आपको भरोसा दिलाता हूँ कि हमारे सामूहिक प्रयासों से ये काम जल्द होगा।

मैं अपने कोटा-बून्दी को हरा भरा और सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि कोटा और बून्दी शहर ऐतिहासिक विरासत एवं आधुनिकता को समेटे हुए ऐसा हरा भरा शहर बने, जिस पर पूरे देश को गर्व हो।

इसके लिए सरकारी स्तर पर ही नहीं, नागरिकों के स्तर पर भी प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। सरकार और नागरिक पूरी ज़िम्मेदारी के साथ करेंगे तो हमारा ये सपना ज़रूर पूरा होगा।

आज सबसे अधिक जरूरी है कि हम अपने बच्चों को, आने वाली पीढ़ियों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दें। आजादी के 75 साल में जैसे जैसे हमारा देश आगे बढ़ा है, गाँव-गाँव में स्कूल खुले हैं। बालिकाओं के लिए बारहवीं तक के स्कूल खुले हैं।

हम अपने बालकों को भी अच्छे से बढ़ाएं और अपनी बालिकाओं को भी उच्च शिक्षा की तरफ आगे बढ़ाएं। जैसे जैसे टेक्नोलॉजी डिवेलप हुई है, वैसे वैसे पढ़ाई अधिक सहज हुई है। ऑनलाइन एजुकेशन का दायरा बढ़ा है। देश के सुदूर गाँव में बैठा बच्चा भी आज बड़े से बड़े कोचिंग संस्थान और यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर पा रहा है।

आज करियर के कई रास्ते बच्चों के लिए खुले हैं। खुद का बिजनेस शुरू करने पर सरकार की तरफ से सपोर्ट मिलता है। आज देश में सरकार युवाओं को आगे बढ़ाने पर पूरा ध्यान दे रही है।

युवाओं के विकास के लिए स्किल इंडिया कार्यक्रम, स्टार्टअप इंडिया, स्टैन्डअप स्कीम, खेलों इंडिया गेम्स जैसे कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

सरकार के स्तर पर हर वर्ग और व्यक्ति के लिए कार्यक्रम चलाए जाते हैं। सबसे जरूरी यह है कि हमें उन कार्यक्रमों, स्कीमों के बारे में जानकारी हो। एक एक व्यक्ति को जागरूक होना चाहिए। और इस जागरूकता में हमारे युवा बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

इसी के साथ बड़े – बुजुर्गों की जिम्मेदारी बनती है कि युवाओं को और बच्चों को सही दिशा दिखाएं। नई पीढ़ी को सही जानकारी दें। उन्हें सही गलत के बारे में बताएं। उन्हें अच्छी

शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी दें। जिससे कि हमारे युवा नशे और गलत संगति, गलत आदतों से दूर रहें।

हमारे लोक संस्कृति, लोक देवी-देवताओं और महापुरुषों के बारे में आज की पीढ़ी को जानकारी देने में सबसे बड़ी भूमिका बुजुर्ग और समझदार लोग ही निभा सकते हैं। हम आधुनिकता की और बढ़ें, लेकिन अपने संस्कारों को साथ लेकर चलें, ये शिक्षा आप ही दे सकते हैं।

मुझे विश्वास है कि वार्ड नंबर-77 के युवा और अनुभवी बड़े बुजुर्ग अपनी जिम्मेदारी को अच्छे से समझकर अपने क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करते रहेंगे। आप सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं।